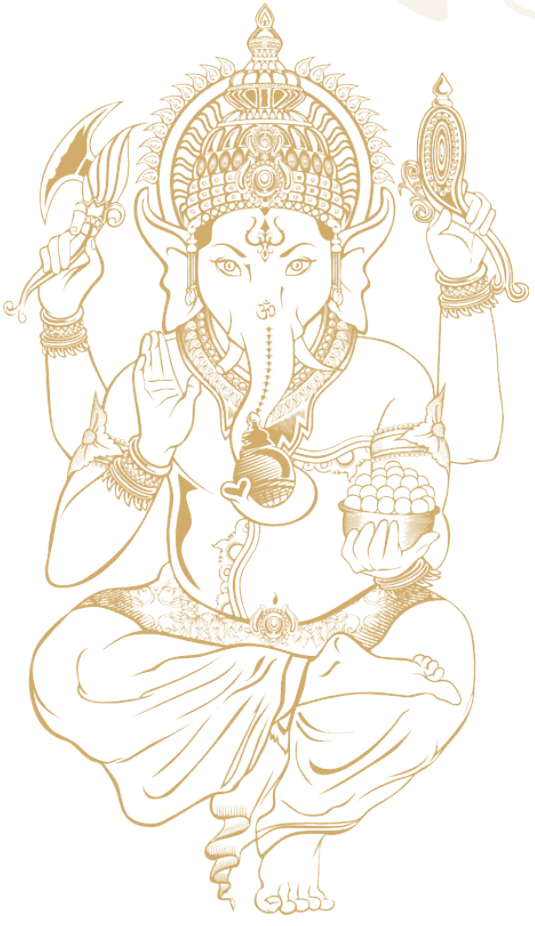

Ashutosh

24 Jul 1975

12:40 PM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121288306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/07/1975**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:40:00 घंटे**
इष्ट	18:12:56 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:38:16 घंटे
वेलान्तर	-00:06:25 घंटे
साम्पातिक काल	08:43:49 घंटे
सूर्योदय	05:22:49 घंटे
सूर्यास्त	18:53:12 घंटे
दिनमान	13:30:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	07:16:03 कर्क
लग्न के अंश	12:52:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:52:58	315:13:48	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कर्क	07:16:03	00:57:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	19:25:00	12:13:03	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	22:31:34	00:40:20	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध		अ	मिथु	28:02:06	02:03:31	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	00:25:54	00:04:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	15:16:59	00:25:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	00:06:27	00:07:45	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	05:28:07	00:11:10	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	05:28:07	00:11:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
हर्ष			तुला	04:57:58	00:00:54	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		वृश्चि	15:42:36	00:00:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	13:20:13	00:01:11	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			कर्क	15:00:46	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:12

लग्न-चलित

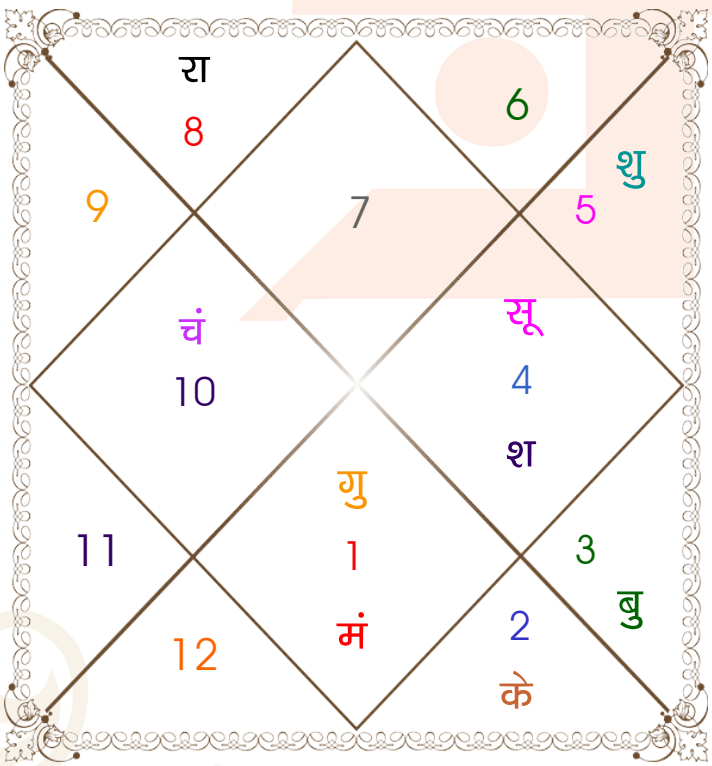

चन्द्र कुंडली

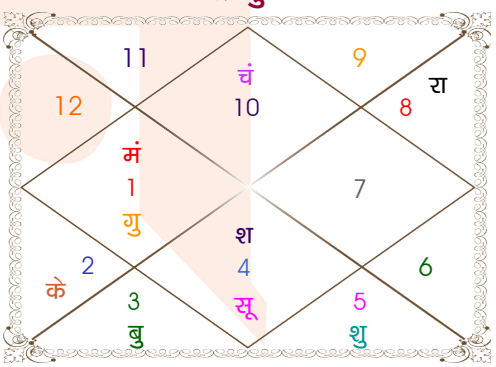

नवमांश कुंडली

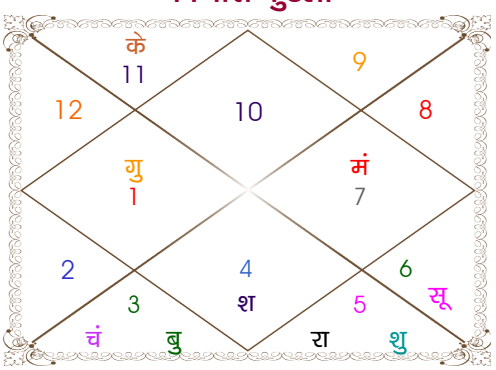

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 11 मास 7 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/07/1975		01/07/1978		01/07/1985		01/07/2003		01/07/2019	
01/07/1978		01/07/1985		01/07/2003		01/07/2019		01/07/2038	
	00/00/0000	मंगल	27/11/1978	राहु	13/03/1988	गुरु	18/08/2005	शनि	04/07/2022
	00/00/0000	राहु	16/12/1979	गुरु	06/08/1990	शनि	01/03/2008	बुध	13/03/2025
	00/00/0000	गुरु	21/11/1980	शनि	12/06/1993	बुध	07/06/2010	केतु	22/04/2026
	00/00/0000	शनि	30/12/1981	बुध	31/12/1995	केतु	14/05/2011	शुक्र	22/06/2029
	24/07/1975	बुध	28/12/1982	केतु	17/01/1997	शुक्र	12/01/2014	सूर्य	04/06/2030
बुध	01/10/1975	केतु	26/05/1983	शुक्र	18/01/2000	सूर्य	31/10/2014	चंद्र	03/01/2032
केतु	01/05/1976	शुक्र	25/07/1984	सूर्य	12/12/2000	चंद्र	01/03/2016	मंगल	11/02/2033
शुक्र	30/12/1977	सूर्य	30/11/1984	चंद्र	13/06/2002	मंगल	05/02/2017	राहु	19/12/2035
सूर्य	01/07/1978	चंद्र	01/07/1985	मंगल	01/07/2003	राहु	01/07/2019	गुरु	01/07/2038

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/07/2038		01/07/2055		01/07/2062		01/07/2082		30/06/2088	
01/07/2055		01/07/2062		01/07/2082		30/06/2088		00/00/0000	
बुध	27/11/2040	केतु	27/11/2055	शुक्र	30/10/2065	सूर्य	19/10/2082	चंद्र	01/05/2089
केतु	24/11/2041	शुक्र	26/01/2057	सूर्य	31/10/2066	चंद्र	19/04/2083	मंगल	30/11/2089
शुक्र	24/09/2044	सूर्य	03/06/2057	चंद्र	30/06/2068	मंगल	25/08/2083	राहु	01/06/2091
सूर्य	31/07/2045	चंद्र	02/01/2058	मंगल	31/08/2069	राहु	19/07/2084	गुरु	30/09/2092
चंद्र	31/12/2046	मंगल	01/06/2058	राहु	30/08/2072	गुरु	07/05/2085	शनि	01/05/2094
मंगल	28/12/2047	राहु	19/06/2059	गुरु	01/05/2075	शनि	19/04/2086	बुध	24/07/2095
राहु	16/07/2050	गुरु	25/05/2060	शनि	01/07/2078	बुध	23/02/2087		00/00/0000
गुरु	21/10/2052	शनि	04/07/2061	बुध	01/05/2081	केतु	01/07/2087		00/00/0000
शनि	01/07/2055	बुध	01/07/2062	केतु	01/07/2082	शुक्र	30/06/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।